KISHENGARH
ONE एक आना ANNA
KISHENGARH
ONE एक आना ANNA
KISHENGARH
KISHENGARH
KISHENGARH
KISHENGARH
KISHENGARH
KISHENGARH
KISHENGARH
STAMP OFFICE
TWO RUPEES
STAMP OFFICE
POSTAGE & REVENUE
दो आना

६९०

समन अदालत अपील राज किशनगढ नंबर ५

१३५

मोहर ... अपील

तखतसिंह वलद मोहनसिंह जागावत सकिन्न ... वाडा अपीलान्ट मुद्दई

बनाम

बापना पीरचंद ... शहर रिस्पाडन्ट मुद्दा अलेह

दावा -६०।

बनाम रिस्पाडन्ट

जो कि इस मुकदमे में अपीलान्ट

ने तुम पर ऊपर लिखी नालिश दायर की है इस लिये तुम को हुक्म होता है कि मिती मंगसिर बुद ८ रोज संवत १९६९

मुताबिक तारीख सन १९० ईस्वी को अदालत में हाजिर होकर मुकदमे में जवाब देही करो। और जो कुछ सबूत तुम्हारे पास हो सो भी अपने ले आवो अगर वक्त मुकरर पर अदालत में हाजिर न होगे तो मुनासिब हुक्म दिया जावेगा फक्त॥

मिती कातिक बुद १ सं १९६९ द॥ ...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

गामी ४ गते ... ३४५ ९

खोदि...

१८२-३।५।२।५।२।१३

११

इतलानामा [illegible] राज किशनगढ

[illegible]

[illegible] बनाम [illegible]

[illegible] मुद्दई [illegible] मुद्दायला

दावा [illegible]

बनाम [illegible]

इस मुकदमा में अदालत हाजा से [illegible]

[illegible]

[illegible]

मिती [illegible] सं १९८७ को हुई है सो
तुम मुतले रहकर इस प इतला पाई करदो अगर तुम इस तजवीज से नाराज होवतो
अनदर मयाद के अपील करलो वरने बाद गुजरने मयाद के तामील तजवीज होवगी।
समत १९८७ मिती [illegible]

हुकम श्री अनबोणा पाई तारीख परह जर हासे दिहारा ३ ऽ॰
सभाई साणरा साबुश्रा रगा पाथी यरी श्रालावुदि ३ सा वदि १९४१।
।नीबूलनाल माजन तीन पुजन नाप ढोई श्री ता पुत नहीं सो नाम जा।
ग सो श्रोरे री दफ्तर मा गे बहसो तारीख पर हाजर हाम्या
दा पत्र लपट आरी श्री आ सुदि ग्यारस श्रालवुदि ३ सा
१९४१

राज किशनगढ

समन अदालत दीवानी नंबर

बनाम मुद्दई मुद्दायला

बनाम

दावा

जोकी इस मुकद्दमे में

ने तुम पर उपर लिखो नालिश दायर को है इस लिये तुमको हुक्म होता है कि

मिती रोज संबत १९९

मुताबिक तारीख सन १९१

को अदालत में हाजिर होकर मुकद्दमे में जबाब देही करो और जो कुछ सबूती तुम्हारे पास हो सो भी अपनी ले आवो अगर वक्त मुकर्ररः पर अदालत में हाजिर न होगे तो मुनासिब हुक्म दीया जावेगा फक.

मिती द०

संमन अदालत दीवानी राज किशनगढ नम्बर ३१२८

बनाम

मुदई

मुदायला

बनाम

दावा

जोकी इसमुकदमे में

ने तुमपर उपर लिखी नालिस दायर की है इसलिय तुमकों हुकम होताहै की

मिती रोज सम्वत १९

मुताबिक तारीख सन् १९

कों अदालत मे हाजिर होकर मुकदमे में जबाबदेही करो और जो कुछ सबु ती तुम्हारी पास हो सोभी अपनी लेआव अगर वक्त मुकरर पर अदालत मे हाजिर न होगे तो मुना सब हुक्म दीया जावेगा फक्त

मिती द०

(पंडित श्रीनिवास किशनलालका श्रीमदन प्रभाकर प्रेस किशनगढ.)

३९८

राज किशनगढ़ ।

समन अदालत दीवानी नम्बर ५३९

दीवानी

जामड़ चन्नीलाल वै... सी... शहर मुद्दई } बनाम { जमादार... ...सी शहर मुद्दायला

बनाम मुद्दायला

दावा रुपया।

जोकि इस मुकद्दमे में मुद्दई

ने तुमपर ऊपर लिखी नालिश दायर की है, इस लिये तुमको हुक्म होता है कि मिती पौस सुद ६ रोज ______ सम्वत १९७२

मुताबिक तारीख ______ सन १९१६ को

अदालत में हाजिर होकर मुकदमे में जवाबदेही करो और जो कुछ सबूत तुम्हारे पास हो सो भी अपने साथ लेआवो, अगर वक्त मुकर्रर पर अदालत में हाजिर न होगे तो मुनासिब हुक्म दिया जावेगा ॥ फक्त ॥ मिती पौस सुद ६

द०

जाब प्रिंटिंग प्रेस, अजमेर.—१००००-६-१५.

श्री रामजी

६५

नोटिस मारफत डाकखाना तरफसे मुसम्मी सवाई परगना माल सदर राज किशनगढ़ ख्वाज जगतीय जोशी गिरधारी रामरतन सा० डांग मक धर्म मार्गसीर सुद ११ सं. २०००

बनाम जगन्नाथ हरीनाथ भागीरतनाथ वल्द गणेश नाथ जोगी सा० गटदपुर

जो कि हमारी जमीन बेरी व जायगा मोजा मज़कूर जो हमारे रहन भोगला हैं जिसको तुम अब खुद काश्त करते हो व बरतते हो जिसकी बाबत का सालाना ४१) रुपये लिये जाने की तहरीर दस्तावेज रजिस्ट्री इक़रारनामा हो जिसमें तुमने गए साल सं: १९९९ के साल के बाबत के ५१) रुपयों में से तुमने ३४) रुपये तो अदा कर दिये व १७) रु- बाकी हैं जिसकी अदायगी का हमारे से काफ़ी तकाजा किया जा चुका है लेकिन तुमने हनोज़ रकम अदा नहीं की है इस लिये अब बज़रिये नोटिस इत्तलादी जाती है कि हमारी मज़कूर रकम अंदर रोज़ अदा करके रसीद हासिल करो वरना बाद गुजरने मीयाद नोटिस इस बकाया रकम का सूद फी सदी १) रु. सैंकड़ा से जोड़कर जब चाहे नालिश कर हमारे से वसूल करेंगे तो तुम खर्चा से जेरबार होवोगे - इस नोटिस का खर्चा भी तुम्हारे ज़िम्मे रहेगा व जमीन मज़कूर की बाबत फ़सल की ... सो बाबत क्या बाकी ... रकम अदा करो लिहाजा इस नोटिस से मुत्तले रहना व मुतफ़र्रक़ रहो कि हमारी दीगर रकम दस्तपती खाते की बाकी है उसकी भी अदायगी करवा दीजिये।

१/२।

१९ ...

नोटिस पहुंचे सा बाद मीआद रतनसकीमा दुरो वरना इतलातें ही रकम को भीहम
बाद गुजरते मुम्याद नोटिस जबचाहें नालीश कर वसूल करेंगे जिसके खरचा मे
तुम जेरबार होवोगे फकत मीती सदु

द०: राजरतन शर्मा

नि: भागीरत का
अंगुठा की द

के काल सां काय बहीकी
घीवे भागीरत नातकाकरदी है रु: २०००

नीसा जी जानात की द

मीती पोस बदी ह रु० २००० का

नीसां जी हीरानातकी द

के काल म सां कारणा बहीकी घीवे नागानाथका रुकरदी है

मीती पोस बदी ह रु० २००० का

॥ श्रीनाथजी ॥ दीवानी

सम्मन अदालत राज किशनगढ़ नंबर

[illegible] मुद्दई	बनाम	[illegible]	मुद्दायला

बनाम [illegible]

दावा [illegible]

जो कि इस मुकदमे में

ने तुम को गवाह करार दिया है इसलिये तुम को हिदायत होती है कि

मिती [illegible] रोज संवत १९९३

मुताबिक तारीख सन् १९३७

को अदालत के वक्त हाजिर होकर गवाही दो और सबूत तुम्हारे पास हो सो भी अपने साथ ले आवो अगर वक्त मुकर्रर पर हाजिर न होगे तो मुनासिब हुक्म दिया जावेगा फक्त ।

मिती [illegible] द० [illegible]

श्री लक्ष्मी प्रेस अजमेर.

मी नहंरी

तामील मुदादीवानी मेमसील है
मी चैत बदि ९ ८६

अब्दुल गनी

postage colours

fiscal colours

Die II

6/4/06
Album 0

Album

Die III

Die III

0

Album 0

0 Album 0

Album 0

brown

Album 0

mauve

Album 0

Album 0

dk. green

Album 0

brown

Album 0

ARAIN

I

II

I

KARKERI

TIKAORA (III)

HARWER

II TIKAORA (I?)
HARWER (II?)
I

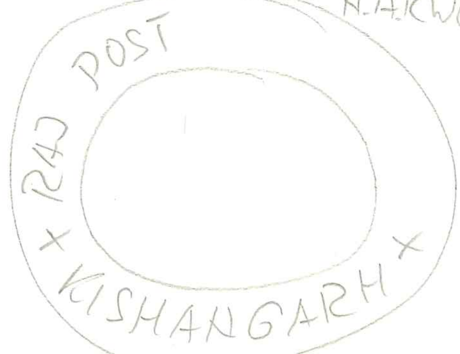

RUPNAGAR

I

Sarwar

HALF ANNA
POSTAGE & REVENUE
KISHEN

II

ONE ANNA
POSTAGE & REVENUE
TWO ANNAS
FOUR ANNAS

4603